

## लिखी अर्जी चरणा च

लिखी अर्जी चरणा च करी मंजूर सतगुरु  
के निभ जाए दर तेरे मेरे हजूर सतगुरु

कंडियो वी निकी है बारो वी तीखी है  
जिस मार्ग चलना है ओ गुरु दी सीखी है ।  
सुख वड़ना दुनिया च तेरा दस्तूर सतगुरु  
के नीभ जाए.....

माया इस दुनिया च किसे कम ना आनी है  
सेवा गुरु सीखी दी ए सच्ची कहानी है  
सुख वड़ना दुनिया च तेरा दस्तूर सतगुरु  
के नीभ जाए.....

कच दी इस दुनिया च सच्च दा व्यापारी है  
ए नाम दी दौलत ता बाबा निरंकारी है  
जिस सिर ते तू हाथ रखी करी मंजूर सतगुरु  
के नीभ जाए.....

अवगुण अंगणित स्वर अहसान तेरे लखा  
मनमोहन तनु हर दम नेना च बराई रखा  
दीपू नू माफ करी तू देव कसूर सतगुरु  
के नीभ जाए.....

Post by:-Deepanshu Kathpal

Source: <https://www.bharattemples.com/likhi-arji-charna-ch-kari-manjur-satguru/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>